भारतीय इतिहास में 26 जनवरी का दिन बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इसी दिन अंग्रेजो के बनाये हुए कानून का समापन करके भारतीय संविधान को लागू किया गया था। वह महत्वपूर्ण दिन 26 जनवरी 1950 था। 26 जनवरी 1950 के दिन ही भारतीय अधिनियम एक्ट को हटाते हुए लोकतान्त्रिक प्रणाली के साथ भारत के संविधान को पूरे देश में लागू किया गया था तथा 26 जनवरी 1950 के दिन भारत देश पूर्ण रूप से गणराज्य बन गया इस दिन को भी राष्ट्रीय त्योहार की मान्यता प्राप्त है।

भारत के स्वतंत्र होने के बाद 9 दिसंबर 1947 के दिन संविधान बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गयी जिसे 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में पूर्ण किया गया तथा इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को पूर्ण रूप से स्वतंत्र होने के साथ ही स्वराज घोषित कर दिया जिसके उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में आयोजन किया जाता है।

भारतीय गणतंत्र दिवस उत्सव भारत की स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजो के विरुद्ध लड़ने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान का सम्मान करने तथा लोकतंत्र, बराबरी और न्याय के आदर्शो के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर है। इस दिन 26 जनवरी को भारत की सांस्कृतिक तथा सामाजिक विविध पूर्ण विरासत का उत्सव मनाने के साथ राष्ट्रीय एकता प्रदर्शित करने और भारत के एकीकरण को सुदृढ़ करने का अवसर है।

गणतंत्र दिवस समारोह मुख्य रूप से भारतीय राष्ट्रपति के समक्ष राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित किया जाता है। 26 जनवरी के दिन भव्य परेड का आयोजन होता है जिसमे सामान्य जन समुदाय से लेकर विश्व के गणमान्य लोगो की उपस्थिति रहती है।

इस दिन सैन्य परेड का आरंभ राष्ट्रपति भवन से होता हुआ इण्डिया गेट की तरफ बढ़ता जाता है। 26 जनवरी के दिन सैनिक परेड के अलावा देश के अनेक हिस्से के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होता है जिसमे हर क्षेत्र के लोगो की भागीदारी रहती है तथा रंग बिरंगी झाकियों के साथ विभिन्न राज्यों के भागीदारी को दर्शाया जाता है।

परेड में मुख्य रूप से भारतीय सांस्कृतिक विरासत और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन होता है। स्कूल के बच्चे अपने कार्यक्रम से 26 जनवरी समारोह को बहुत उत्साहपूर्ण बना देते है। 26 जनवरी के उत्सव पर भारत के राष्ट्रपति भारत का ध्वज 'तिरंगा' फहराते है तथा राष्ट्रगान की धुन बजायी जाती है।

26 जनवरी के दिन सभी जन समुदाय देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत रहते है। राष्ट्र की एकता तथा अखंडता को प्रदर्शित करने तथा बढ़ावा देने में गणतंत्र दिवस की खास भूमिका है। इस दिन सभी भारतवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए सम्मान प्रकट करते है।

26 जनवरी का महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दिन भारत समृद्धि, सुदृढ़ता, समावेशी भाव को प्रदर्शित करता है जिससे विविधता में एकता की पुष्टि होती है। 26 जनवरी के दिन भारतीय संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा स्वीकार किया गया था।

जिसे एक वर्ष के उपरांत 26 जनवरी 1950 के दिन सम्पूर्ण भारतीय क्षेत्र में लागू किया गया था तथा इस दिन भारत को गणराज्य के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी जो प्रत्येक भारतीय के लिए सम्मान और गौरव का क्षण था।